

सुमुद फ्लोटिला - क्या इज़राइल नाटो के खिलाफ कार्रवाई करेगा?

वैश्विक सुमुद फ्लोटिला - गाजा की 17 साल की इज़राइली नाकाबंदी को तोड़ने के उद्देश्य से एक अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय काफिला - अब अपने गंतव्य से 400 नॉटिकल मील से भी कम दूरी पर है। यह कई राष्ट्रीय ध्वजों के तहत रवाना हुआ है और इसमें चालीस से अधिक देशों के यात्री शामिल हैं: रिमा हसन जैसे फिलिस्तीनी यूरोपीय संसद सदस्य, यूरोपीय संसद के अन्य सदस्य जैसे एनालिसा कोर्नाडो, बेनेडेटा स्कूडेरि, एम्मा फोरो, और लिन बोयलन, बार्सिलोना की पूर्व मेयर एडा कोलाउ, जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग, कई वर्तमान और पूर्व राजनेता, और यहां तक कि अमेरिकी सैन्य दिग्गज भी। इनमें **पूर्व लीबियाई प्रधानमंत्री उमर अल-हस्सी** भी शामिल हैं, जो लीबियाई जहाज **उमर अल-मुख्तार** पर सवार हैं। उनकी भागीदारी उन्हें मौजूद सबसे उच्च पदस्थ अधिकारी बनाती है, जो यह संकेत देता है कि यह मिशन कोई मामूली इशारा नहीं, बल्कि एक गंभीर राजनीतिक कदम है।

फ्लोटिला को ग्रीस, स्पेन, इटली और तुर्की से नाटो नौसेना के जहाजों द्वारा एस्कॉर्ट किया जा रहा है। इटली और स्पेन ने सुरक्षात्मक बचाव स्थिति के लिए जहाजों को प्रतिबद्ध किया है, जबकि ग्रीस ने अपने जलक्षेत्र में सुरक्षित मार्ग की गारंटी दी है और इज़राइल को जहाज पर मौजूद ग्रीक नागरिकों की जानकारी दी है। काफिला पहले ही क्रेते के पास ड्रोन उत्पीड़न का सामना कर चुका है, जहां निहत्थे नौकाओं के खिलाफ स्टन और जलन पैदा करने वाले उपकरणों का उपयोग किया गया। इन जोखिमों के बावजूद, यह आगे बढ़ रहा है - न केवल इज़राइल की नाकाबंदी को चुनौती दे रहा है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून की विश्वसनीयता को भी परख रहा है।

मानवीय काफिले से राजनीतिक परीक्षा तक

फिलिस्तीनियों के लिए, फ्लोटिला एक जीवन रेखा है। अक्टूबर 2023 से अब तक 64,000 से अधिक लोगों की मौत के साथ और गाजा को जानबूझकर भुखमरी की स्थिति में रखा गया है, इसके भोजन, दवाइयां और आपूर्ति की सख्त जरूरत है। लेकिन यह एक राजनीतिक चुनौती भी है। विधायकों, मेयरों, एक पूर्व प्रधानमंत्री और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कार्यकर्ताओं को एकत्र करके, फ्लोटिला इस बात पर जोर देता है कि गाजा की नाकाबंदी केवल एक मानवीय संकट नहीं है, बल्कि यह स्वयं कानून की परीक्षा है।

पिछली यात्राओं - **मावी मारमारा**, **मैडलीन**, और **हंडाला** - ने इज़राइल के प्रवर्तन की क्रूरता और इसके द्वारा उल्लंघन किए गए कानूनी ढांचों को प्रदर्शित किया। उनके सबक अब यह तय करते हैं कि दुनिया को सुमुद की यात्रा को कैसे देखना चाहिए।

मावी मारमारा: समुद्र में बिना सजा के हत्याएं

31 मई 2010 को, इज़राइली कमांडो ने **मावी मारमारा**, एक तुर्की जहाज जो पहली गाजा स्वतंत्रता फ्लोटिला का नेतृत्व कर रहा था, पर धावा बोला। यह हमला अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुआ और इसके परिणामस्वरूप 10 नागरिकों की मौत और दर्जनों अन्य घायल हुए।

कानूनी विश्लेषण

- **अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में बल प्रयोग:** संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (UNCLOS) के तहत, खुला समुद्र किसी एकल राष्ट्र के प्रवर्तन क्षेत्राधिकार के अधीन नहीं है, सिवाय बहुत सीमित परिस्थितियों (जैसे, समुद्री डकैती, दास व्यापार) के। एक मानवीय जहाज पर नागरिकों पर हमला करना और उनकी हत्या करना किसी भी कानूनी अपवाद के अंतर्गत नहीं आता।
- **आनुपातिकता और आवश्यकता:** इस छापे को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने गैरकानूनी और असमानुपातिक के रूप में निंदा की। डंडों और रसोई उपकरणों से लैस नागरिकों ने घातक कमांडो छापे को उचित नहीं

ठहराया।

- **जवाबदेही की कमी:** अंतरराष्ट्रीय निंदा के बावजूद, किसी भी इज़राइली अधिकारी पर मुकदमा नहीं चलाया गया। इससे अशुद्धता को और मजबूती मिली, जिसने सिखाया कि समुद्र में हिंसा को सहन किया जाएगा।

मावी मारमारा ने यह मिसाल कायम की कि इज़राइल अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नागरिक जहाजों पर घातक बल के साथ हमला कर सकता है और परिणामों से बच सकता है।

मैडलीन: समुद्री डकैती, आतंकवाद, और बंधक बनाना

9 जून 2025 को, **मैडलीन**, एक यूके-ध्वजांकित मानवीय जहाज, गाजा से 160 नॉटिकल मील दूर इज़राइली बलों द्वारा रोका गया। यात्रियों में ग्रेटा थनबर्ग और यूरोपीय संसद सदस्य रिमा हसन शामिल थे। चालक दल ने इलेक्ट्रॉनिक जामिंग, जलन पैदा करने वाले स्प्रे, जबरन बोर्डिंग, और हिरासत की सूचना दी।

कानूनी विश्लेषण

- **समुद्री डकैती (UNCLOS अनुच्छेद 101):** अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक निहत्थे नागरिक जहाज पर सरकारी जहाजों द्वारा हमला, जब यह राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है, समुद्री डकैती माना जाता है, क्योंकि मैडलीन किसी भी शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल नहीं थी।
- **राज्य आतंकवाद:** अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं का हिंसक जब्ती और बंधक बनाना भविष्य के मानवीय काफिलों को डराने के लिए था - आतंकवाद का एक क्लासिक लक्षण।
- **बंधक बनाना (1979 बंधक संधि):** एक निर्वाचित सांसद सहित यात्रियों को हिरासत में लेना, बंधक बनाए जाने की परिभाषा के अनुरूप है: राज्यों या संगठनों को राजनीतिक कार्रवाई या निष्क्रियता के लिए मजबूर करने के लिए व्यक्तियों को जब्त करना।
- **ध्वज राज्य की जिम्मेदारी:** यूके-ध्वजांकित जहाज के रूप में, यूनाइटेड किंगडम को अपने जहाज की रक्षा करने और निवारण की मांग करने की सीधी जिम्मेदारी थी - फिर भी उसने कोई कार्रवाई नहीं की।

मैडलीन ने दिन के उजाले में उच्च-प्रोफाइल नागरिकों के खिलाफ इज़राइल की समुद्री डकैती और बंधक बनाने की इच्छा को प्रदर्शित किया।

हंडाला: मानवीय राहत का अपहरण

26 जुलाई 2025 को, **हंडाला**, जो एक दर्जन से अधिक देशों से कार्यकर्ताओं और सहायता ले जा रहा था, गाजा से 40 नॉटिकल मील दूर रोका गया। इज़राइल ने जहाज पर चढ़ाई की, उसे जब्त किया, चालक दल को हिरासत में लिया, और सहायता को जब्त कर लिया।

कानूनी विश्लेषण

- **समुद्री डकैती:** मैडलीन की तरह, हंडाला भी अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक नागरिक जहाज था। बिना कानूनी आधार के एक सरकारी युद्धपोत द्वारा जबरन जब्ती समुद्री डकैती की परिभाषा को पूरा करती है।
- **अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) के अस्थायी उपायों का उल्लंघन:** अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इज़राइल को गाजा में मानवीय सहायता की अनुमति देने का आदेश दिया था। हंडाला का जब्ती इस बाध्यकारी आदेश का सीधा उल्लंघन था।
- **भुखमरी का हथियारीकरण:** मानवीय आपूर्ति को रोककर, इज़राइल की कार्रवाइयों ने नाकाबंदी को नागरिकों को भुखमरी में डालने के साधन के रूप में मजबूत किया - रोम संधि के तहत एक युद्ध अपराध।

हंडाला ने दिखाया कि नाकाबंदी का प्रवर्तन एक रक्षात्मक उपाय नहीं, बल्कि मानवीय प्रयासों के खिलाफ एक आक्रामक आतंकी कार्रवाई थी।

समुद्र में तनाव और रक्षात्मक मुद्राएं

ये मिसालें - **मावी मारमारा, मैडलीन**, और **हंडाला** - गैरकानूनी बल प्रयोग का एक पैटर्न प्रकट करती हैं। हालांकि, सुमुद फ्लोटिला को नाटो के एस्कॉर्ट्स द्वारा संरक्षित किया जा रहा है।

स्थायी आदेशों में कथित तौर पर एस्कॉर्ट्स को गोलीबारी शुरू करने या जवाबी कार्रवाई करने से मना किया गया है। फिर भी, उन्हें फ्लोटिला की रक्षा करने का निर्देश भी दिया गया है। व्यवहार में, इसका मतलब है **रक्षात्मक मुद्रा** अपनाना - इज़राइली हमलावरों और नागरिक नौकाओं के बीच युद्धपोतों को तैनात करना।

यदि इज़राइल गोलीबारी शुरू करता है, तो संयम के आदेश स्वचालित रूप से रद्द हो जाते हैं। एक नौसेना कमांडर को अपने जहाज और चालक दल की रक्षा करने का **अधिकार और कर्तव्य** दोनों हैं। यह कर्तव्य निम्नलिखित पर आधारित है:

- **संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 51** (स्वाभाविक आत्मरक्षा का अधिकार),
- **UNCLOS** (समुद्र में गैरकानूनी बल प्रयोग के खिलाफ वैध रक्षा),
- **प्रथागत समुद्री कानून** (समुद्र में लंबे समय से मान्यता प्राप्त आनुपातिक रक्षा),
- **नौसेना के युद्ध नियम** (सैन्य कोड जो कमांडरों को चालक दल और जहाज की सुरक्षा के लिए बाध्य करते हैं)।

यूएसएस विन्सेन्स मिसाल इस सिद्धांत की ताकत को रेखांकित करती है। जुलाई 1988 में, जहाज ने गलती से ईरान एयर फ्लाइट 655 को मार गिराया, जिसमें 290 नागरिक मारे गए, क्योंकि इसे गलत तरीके से एक शत्रुतापूर्ण विमान के रूप में पहचाना गया था। कमांडर को दंडित नहीं किया गया। तर्क सरल था: एक कप्तान का अपने जहाज और चालक दल की रक्षा करने का स्वाभाविक कर्तव्य सर्वोपरि है, भले ही यह त्रासद रूप से गलत हो। यहां लागू होने पर, यदि इज़राइली गोलीबारी नाटो एस्कॉर्ट को हिट करती है, तो कमांडर कानूनी रूप से आत्मरक्षा में जवाब देने के लिए बाध्य होंगे।

प्रारंभिक हमले को विफल करने के बाद, कप्तानों को अपने मुख्यालय को सूचित करना होगा, जो **अनुच्छेद 51 के तहत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद** को रिपोर्ट करेंगे। फिर राज्य **नाटो अनुच्छेद 5** को लागू कर सकते हैं, जिससे गठबंधन-व्यापी सामूहिक रक्षा पर परामर्श शुरू हो जाएगा।

गाजा के जल और नाकाबंदी की गैरकानूनीता

विवाद का मूल गाजा के समुद्री क्षेत्र की स्थिति में निहित है। इज़राइल स्वयं गाजा को अपने संप्रभु क्षेत्र के रूप में दावा नहीं करता। 2005 में, इसने अपने उपनिवेशवादियों और स्थायी जमीनी बलों को वापस ले लिया, और यह गाजा को इज़राइली तटीय क्षेत्रों की तरह प्रशासित नहीं करता। अंतरराष्ट्रीय कानून के तर्क के अनुसार, यह दावे की अनुपस्थिति आसपास के समुद्र को **फिलिस्तीनी जल** बनाती है।

संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (UNCLOS) के तहत, एक तटीय इकाई को **12 नॉटिकल मील का क्षेत्रीय समुद्र** और **200 नॉटिकल मील का विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ)**, भूगोल के आधार पर, प्राप्त करने का अधिकार है। गाजा, 140 से अधिक संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों द्वारा मान्यता प्राप्त कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र के हिस्से के रूप में, इस प्रकार समुद्री क्षेत्रों के लिए कानूनी हकदार है। क्षेत्रीय समुद्र के भीतर, फिलिस्तीनी संप्रभुता लागू होनी चाहिए; इसके बाहर, EEZ संसाधनों के लिए विशेष अधिकार प्रदान करता है, जबकि इसके बाहर का खुला समुद्र नेविगेशन की स्वतंत्रता द्वारा शासित है।

इज़राइल की प्रवर्तन कार्रवाइयां इसलिए उन जलक्षेत्रों में होती हैं जो या तो:

- **फिलिस्तीनी क्षेत्रीय जल** हैं, जहां केवल फिलिस्तीन को प्रवर्तन का अधिकार है; या
- **खुला समुद्र**, जहां कोई भी राज्य नेविगेशन में हस्तक्षेप नहीं कर सकता, सिवाय समुद्री डकैती या दास व्यापार जैसे सीमित अपवादों के।

इन क्षेत्रों में जहाजों को जब्त करके, इज़राइल **समुद्र की स्वतंत्रता** के मूलभूत सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

सैन रेमो के तहत नाकाबंदी और औचित्य की समस्या

इज़राइल अपनी कार्रवाइयों को **सैन रेमो मैनुअल ऑन इंटरनेशनल लॉ एप्लिकेबल टू आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट्स एट सी (1994)** के तहत नाकाबंदी कानून का हवाला देकर उचित ठहराता है। लेकिन सैन रेमो नियम कई तरह से इज़राइल की

स्थिति के खिलाफ जाते हैं:

- नाकाबंदी **सत्यापनीय सैन्य आवश्यकता** पर आधारित होनी चाहिए और इसे नागरिकों को भुखमरी या आवश्यक वस्तुओं से वंचित करने के उद्देश्य से लागू नहीं किया जा सकता।
- नाकाबंदी **मानवीय सहायता** के मार्ग को अवरुद्ध नहीं कर सकती, खासकर जब नागरिक अभाव से पीड़ित हों।
- किसी भी हस्तक्षेप को **इस सबूत से समर्थित होना चाहिए कि लक्षित जहाज खतरा पैदा करता है**।

इज़राइल ने इन मानकों को पूरा नहीं किया है। **मैडलीन** कार्यकर्ताओं और मानवीय आपूर्ति, जिसमें **शिशु फॉर्मूला** और चिकित्सा सहायता शामिल थी, ले जा रहा था। **हंडाला** पहले से ही भुखमरी की स्थिति में मौजूद आबादी के लिए भोजन और दवाइयां ले जा रहा था। इज़राइल ने किसी भी समय सत्यापनीय सबूत प्रस्तुत नहीं किए कि इनमें से कोई भी सुरक्षा खतरा था। जब तक कि शिशु फॉर्मूला को हास्यास्पद रूप से हथियार नहीं माना जाता, इज़राइल की प्रवर्तन कार्रवाइयां स्पष्ट रूप से गैरकानूनी थीं।

कानूनी निहितार्थ

एक वैध सैन्य आवश्यकता स्थापित करने में विफल रहने के कारण, इज़राइल की नाकाबंदी को सैन रेमो के तहत कानूनी नहीं माना जा सकता। और चूंकि नाकाबंदी व्यवहार में भुखमरी, अभाव और अंधाधुंध पीड़ा पैदा करती है, यह **सामूहिक दंड** के बराबर है, जो चौथी जेनेवा संधि के तहत निषिद्ध है और कई संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों में निंदा की गई है।

इस प्रकार, अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के दृष्टिकोण से:

- गाजा के क्षेत्रीय जल और EEZ **फिलिस्तीनी जल** हैं UNCLOS के तहत।
- उनके बाहर **खुला समुद्र** है, जहां नेविगेशन की स्वतंत्रता लागू होती है।
- इज़राइल द्वारा **मैडलीन** और **हंडाला** जैसे मानवीय जहाजों का जल्दी सैन रेमो, UNCLOS, या मानवीय कानून के तहत कानूनी रूप से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

नाटो का सामूहिक रक्षा दुविधा

नाटो युद्धपोतों पर इज़राइली हमला गठबंधन के इतिहास में सबसे गंभीर परीक्षा पैदा करेगा। अनुच्छेद 5 घोषणा करता है कि एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला है।

- **दक्षिणी यूरोपीय सहयोगी** (इटली, स्पेन, ग्रीस, तुर्की) संभावित रूप से अपने जहाजों की निकटता और उनके घरेलू राजनीतिक परिदृश्यों को देखते हुए मजबूत प्रतिक्रिया के लिए दबाव डालेंगे।
- **संयुक्त राज्य, यूनाइटेड किंगडम, और जर्मनी**, हालांकि, अपने गहरे सैन्य और राजनीतिक संबंधों के कारण इज़राइल के साथ सीधे टकराव का विरोध कर सकते हैं। वे भागीदारी से बच सकते हैं, लेकिन दूसरों को कार्रवाई करने की अनुमति दे सकते हैं।

लेकिन परहेज करना इज़राइल का पक्ष लेने के समान नहीं है। नाटो अलग-अलग योगदानों की अनुमति देता है: सदस्य अपनी प्रतिक्रिया का रूप चुन सकते हैं, लेकिन वे यह इनकार नहीं कर सकते कि एक सशस्त्र हमला हुआ है। पूरी तरह से कार्रवाई करने से इनकार करना - या इससे भी बदतर, खुले तौर पर गठबंधन भागीदारों के खिलाफ इज़राइल का समर्थन करना - नाटो की विश्वसनीयता को नष्ट कर देगा।

ऐसी असहमति विरोधियों को प्रोत्साहित करेगी। रूस इस मिसाल का उपयोग पूर्वी यूरोप में नाटो के संकल्प को परखने के लिए करेगा। चीन इस विभाजन को इस सबूत के रूप में नोट करेगा कि पश्चिमी गठबंधन राजनीतिक रूप से संवेदनशील हमलावरों के खिलाफ सामूहिक रक्षा लागू नहीं कर सकते। वह एकजुटता जो यूरोप और एशिया में युद्ध को रोकती है, कमजोर हो जाएगी।

संक्षेप में: यदि नाटो अपने सदस्यों को इज़राइली आक्रामकता से बचाने में विफल रहता है, तो यह मॉस्को और बीजिंग के खिलाफ अपनी निवारक शक्ति को कमजोर करता है।

रणनीतिक और राजनीतिक परिणाम

इज़राइल के लिए, तनाव वृद्धि से विनाशकारी अलगाव का खतरा है। एक पूर्व प्रधानमंत्री, वर्तमान विधायकों और विश्व प्रसिद्ध कार्यकर्ताओं को ले जा रहे जहाजों पर हमला आत्मरक्षा के दावों को चकनाचूर कर देगा। यह नाकाबंदी को सामूहिक दंड के रूप में उजागर करेगा।

फ्लोटिला के लिए, अवरोधन ही सफलता है: यह इज़राइल की गैरकानूनीता को दस्तावेज करता है, वैश्विक आक्रोश को जुटाता है, और फिलिस्तीनी **सुमुद** - दृढ़ता - को मजबूत करता है। वरिष्ठ राजनेताओं और उच्च-प्रोफाइल व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ, आक्रामकता विश्व स्तर पर गूंजती है।

निष्कर्ष

वैश्विक सुमुद फ्लोटिला केवल सहायता वितरण से अधिक है। यह एक परीक्षा है कि क्या अंतरराष्ट्रीय कानून लागू किया जाएगा जब पीड़ित फिलिस्तीनी हों।

- **मावी मारमारा** ने दिखाया कि नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में बिना जवाबदेही के मारा जा सकता है।
- **मैडलीन और हंडाला** ने दिखाया कि इज़राइल समुद्री डकैती, बंधक बनाना और भुखमरी लागू करने के लिए ICJ की अवहेलना करता है।
- यूएसएस **विन्सेन्स** ने दिखाया कि नौसेना कमांडर अपने जहाज और चालक दल की रक्षा करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य हैं, भले ही इसका दुखद परिणाम हो।

वृद्धि का श्रृंखला अनुमानित है: रक्षात्मक मुद्रा, हमला, UNCLOS, प्रथागत कानून, और अनुच्छेद 51 के तहत तत्काल आत्मरक्षा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को रिपोर्टिंग, संभावित नाटो अनुच्छेद 5।

जो अनुमानित नहीं है, वह यह है कि क्या नाटो और अंतरराष्ट्रीय समुदाय अपने कानूनों को बनाए रखेंगे, या एक बार फिर अशुद्धता स्वतंत्र रूप से रवाना होगी। जहाज पर और गाजा में मौजूद फिलिस्तीनियों के लिए, यह सिद्धांत नहीं है - यह जीवन और मृत्यु का सवाल है।